



Question Paper 2023

Series FH1EG



SET ~ 4

प्रश्न-पत्र कोड
Q.P. Code 8

रोल नं.

--	--	--	--	--	--	--	--

Roll No.



परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

Candidates must write the Q.P. Code on the title page of the answer-book.

- महिरबानी करे जांच कर्यो त हिन प्रश्न-पत्र में छपियल पन्ना 11 आहिन।
- प्रश्न-पत्र में साजे हथ पासे डिनल प्रश्न-पत्र कोड खे शागिर्द उत्तर-पुस्तिका जे पहिरें पन्ने ते लिखनि।
- महिरबानी करे जांच कर्यो त हिन प्रश्न-पत्र में 35 सुवाल आहिन।
- महिरबानी करे सुवाल जो जवाब लिखण खां पहिरियो, उत्तर-पुस्तिका में सुवाल जो नम्बर जरूर लिखो।
- हिन प्रश्न-पत्र खे पढ़ण लाइ 15 मिनटनि जो वक्तु डिनो बियो आहे। प्रश्न-पत्र सुबुह जो 10.15 मिनटनि ते विर्हाया वेंदा। 10.15 वजे खां 10.30 वजे ताई शागिर्द प्रश्न-पत्र खे रूगो पढ़ंदा ऐं हन वक्त जे दौरान हू उत्तर-पुस्तिका ते कोई जवाबु न लिखंदा।
- Please check that this question paper contains 11 printed pages.
- Q.P. Code given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains 35 questions.
- Please write down the Serial Number of the question in the answer-book before attempting it.
- 15 minutes time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the candidates will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

सिन्धी
SINDHI

निर्धारित समय : 3 घण्टे

Time allowed : 3 hours

अधिकतम अंक : 80

Maximum Marks : 80



8

286

1

P.T.O.



ज़रूरी हिदायतुं -

- ही पेपर बिनि सेक्शन (A ऐं B) में विर्हायल आहे ।
- हर सेक्शन लाइ चालीह मार्कू मुकरर आहिनि ।
- हरहिक सुवाल जे साम्हूं मार्कू लिखियल आहिनि ।

SECTION – A

1. हेठि लिखियल टुकुरो ध्यान सां पढ़ो पोइ डिनल सुवालनि जा जवाब लिखो - 10 × 1 = 10

लोकमान्य तिलक जीअं गणेश जे तहज़ीबी अलामत ज़रिए मराठी माणहुनि खे हिक धागे सां बधी उन्हनि खे सामाजिक ऐं धार्मिक सुजाणप डिनी, तीअं राम पंजवाणीअ 'झूलेलाल' जो नाद जागायो ऐं विरहाडे बैदि सिंध छडे करे हिन्दुस्तान में शरणार्थी थी आयल सिंधी जातीअ में जीअण जी आशा, श्रद्धा ऐं रोशनीअ जी आक्सीजन फूके सिंधी समाज खे निराशा, दिशाहीनता ऐं ऊंदहि जी गर्त मां बाहिरि आणियो हो । इनकरे सिंधी जाती दादा पंजवाणीअ जी हमेशह थोराइती रहंदी । प्रोफेसर राम पंजवाणी मुंबई युनिवर्सिटीअ में प्रोफेसर हो ऐं उनखां सवाइ सुठो कवि, अदीबु, नाटककार, अदाकार, गायकु ऐं समाज सेवकु पिण हो । साईअ जो जनमु 20 नवम्बर 1911 ते सिंध जे लाड़काणे शहर में थियो हो । मैट्रिक ताई उते ई पढ़ाई कयाई । इन दौरान कौमी शायर किशनचंद खत्री 'बेवसि' सां वाक्फियत थियसि ऐं श्री पंजवाणीअ जे दिल जे अंदर राष्ट्रीय भावना जा जज़्बा पैदा थिया ऐं हुन राष्ट्रीय हलचल में हिस्सो वठण शुरू कयो । देश भक्तीअ जा गीत लिखियाई ऐं खुद ई गाए करे माणहुनि में देश भक्तीअ लाइ उत्साहु भरण लगो । माणहुनि में सुजागी आई । जिते बि प्रोग्राम कंदो हो उते हिकु मटको स्टेज ते रखंदो हो । उन मटके में बख्शीश तौर माण्हूं जेके पैसा विझी वेंदा हुआ, उहा रकम प्रोफेसर राम पंजवाणी स्कूलनि ऐं सामाजिक संस्थाउनि खे दान में डेई छडींदो हो ।

- (i) लोकमान्य तिलक कंहिंजे ज़रिए मराठी माणहुनि खे सामाजिक सुजाणप डिनी ।
- | | |
|------------|-------------|
| (a) विष्णु | (b) शंकर |
| (c) गणेश | (d) झूलेलाल |



(ii) राम पंजवाणीअ सिंधी समाज खे हिक धागे सां बधण लाइ कंहिंजो नादु जागायो ?

- | | |
|-------------|------------|
| (a) महेश | (b) शंकर |
| (c) झूलेलाल | (d) विष्णु |

(iii) श्री राम पंजवाणीअ जे हिर्दे में कंहिं राष्ट्रीय भावना जा जज्बा पैदा कया ?

- | | |
|-----------|-----------|
| (a) बेवसि | (b) बेकसि |
| (c) बेदिल | (d) बेशक |

(iv) राम पंजवाणी माणहुनि में कंहिंजे लाइ उत्साह भरीन्दो हो ?

- | | |
|-----------------|---------------|
| (a) प्रभू भक्ति | (b) शिव भक्ति |
| (c) देवी भक्ति | (d) देश भक्ति |

(v) राम पंजवाणी स्टेज ते पाण सां गडु छा रखंदो हो ?

- | | |
|-----------|-----------|
| (a) चम्चो | (b) मटको |
| (c) थाली | (d) गिलास |

(vi) राम पंजवाणी जो जनमु कहिड़े साल में थियो हो ?

- | | |
|----------|----------|
| (a) 1911 | (b) 1811 |
| (c) 1912 | (d) 1812 |

(vii) राम पंजवाणी सिंधी जातीअ में कहिड़ी आक्सीजन फूकी ?

- | | |
|-----------------|-----------------|
| (a) नचण जी आशा | (b) घुमण जी आशा |
| (c) जीअण जी आशा | (d) मरण जी आशा |

(viii) लेखक राम पंजवाणी किथे प्रोफेसर हो ?

- | | |
|-------------------------|------------------------|
| (a) कोलकाता यूनिवर्सिटी | (b) मद्रास यूनिवर्सिटी |
| (c) दिल्ली यूनिवर्सिटी | (d) मुंबई यूनिवर्सिटी |



(ix) राम पंजवाणी मटिके जा पैसा कंहिंखे डेई छडींदो हो ?

- | | |
|-------------------|-------------------|
| (a) स्कूलनि खे | (b) मास्तरनि खे |
| (c) प्रोफेसरनि खे | (d) वापारियुनि खे |

(x) डिनल टुकुरे जे मर्कज में कहिड़ो समाज आहे ?

- | | |
|-----------|-------------|
| (a) मराठी | (b) गुजराती |
| (c) सिंधी | (d) बंगाली |

2. हेठि लिखियल टुकुरे ध्यान सां पढ़ो पोइ डिनल सुवालनि जा जवाब लिखो –

10 × 1 = 10

कडहिं सूरज उभिरंदो ऐं लहंदो डिठो अथेई ? कडहिं उन शाह जे सवारीअ लाइ इंतजारी रखी, कंहिं उताहीअ तां उनजो दर्शन कयो अथेई ? अचण खां अगु आकास में उन जा पिरूं पवनि था, अंधारो गाइबु थी वजे ऐं उहा लालाई, उहे रंगबिरंगी रंग डेखारी डियनि था जे डिसी नेण ठरी पवनि था । आत्मा आनंद में अचे थी ऐं इन्सान में रवाजी तुछु सूंहं लाइ का बि अबिलाखा नथी रहे । सूरज अस्त थियण वक्त उन खां पोइ बि उन लालनि जी लालाई केतिरो वक्तु रहे थी । मूं डिठो त सूरज लहण ते कारा कारा के भूतनि मिसलि के जुदा भयानक रूप वठियो मथे चढ़नि था । असांजे मन सां पिण इहा हालत आहे । ज्ञान जे सूरज निकिरण सां अंदर जा कारा ककर लही वजनि था । मन में उमंगु ऐं उत्साहु जागे थो । ज्ञान जे सूरज निकिरण जी स्थिती ई सची पची जीवति आहे । ज्ञान जे सूरज गुमु थियण ते मन जा भूत वधीक भयानक रूप वठनि था ऐं इन्सानु कारी बाट ऊंदाहीअ में रहे थो ।

(i) कंहिंजे निकिरण सां अंदर जा कारा ककर लही वजनि था ?

- | | |
|---------------|--------------|
| (a) तारा | (b) चन्द्रमा |
| (c) इंद्रधनुष | (d) सूरज |

(ii) ज्ञान जे सूरज जे गुमु थियण ते केरु भयानक रूप वठनि था ?

- | | |
|---------------|----------------|
| (a) तन जा भूत | (b) मन जा भूत |
| (c) धन जा भूत | (d) शहर जा भूत |

(iii) लेखक कंहिंजे लाइ शाह जी सवारी चवे थो ?

- | | |
|---------------|--------------|
| (a) तारा | (b) चन्द्रमा |
| (c) इंद्रधनुष | (d) सूरज |



(iv) सूरज अस्त थियण वक्त उन खां पोइ बि, कंहिंजी लालाई थोरो वक्तु रहे थी ?

- | | |
|--------------------|--------------------|
| (a) बालनि जी लालाई | (b) शालनि जी लालाई |
| (c) नालनि जी लालाई | (d) लालनि जी लालाई |

(v) 'नेण' लफ़ज जी माना बुधायो ।

- | | |
|---------|----------|
| (a) नकु | (b) अखि |
| (c) मथो | (d) डन्द |

(vi) डिनल टुकुरे जे मर्कज़ में छा आहे ?

- | | |
|---------------|--------------|
| (a) आकास | (b) कारा ककर |
| (c) मन जा भूत | (d) सूरज |

(vii) आकास में छा पवनि था ।

- | | |
|-----------|-----------|
| (a) भिरूं | (b) पिरूं |
| (c) फिरूं | (d) बिरूं |

(viii) इंसान में कंहिंजे लाइ अबिलाखा नथी रहे ?

- | | |
|--------------|--------------|
| (a) सिक लाइ | (b) छिक लाइ |
| (c) भूइं लाइ | (d) सूहं लाइ |

(ix) ज्ञान जे सूरज निकिरण सां मन में छा जागे थो ?

- | | |
|----------|----------|
| (a) रंग | (b) उमंग |
| (c) तरंग | (d) मलंग |

(x) ज्ञान जे सूरज निकिरण जी स्थिती ई सची पची छा आहे ?

- | | |
|-----------|------------|
| (a) नीयति | (b) फ़िकति |
| (c) हलति | (d) जीवति |



3. हेठि लिखियल बैत जूं सिट्रूं ध्यान सां पढ़ो पोइ डिनल सुवालनि जा जवाब लिखो -

6 × 1 = 6

सोन बराबर सगिड़ा, मारूअ संदा मूं
पटोला पंवहार खे, उमर ! आछि म तूं,
वरु लोअीअ जी लूं, डाडाणनि डिनियमि जा,
सोन बराबर सगिड़ा, लूं लूं बराबर लख
रूपो जंहिं रदि कयो, कोइ तन्हीं खे कखु
मूं मारूअ जो मखु, तेलु न लाअियां तुंहिंजो.
तेलु न लाअियां तुंहिंजो, मूं मारूअ जो मनि,
करियां बी न कनि, आहर उन्हीं आहियां.
करायुनि करोड़ जा, चूड़ा कूड़ा जनि,
सो मर्कु मारूअइनि, जिआं लोक लज थिअे.
कारा कारायुनि में, सोनु असां खे सूअ
वरु जेडियुनि सीं जूअ, फाको फरिहत भांअिआं !

(i) मारूईअ सगिड़नि खे कंहिंजे बराबर चयो आहे ?

- | | |
|----------|----------|
| (a) हीरा | (b) रूपो |
| (c) सोनु | (d) रेशम |

(ii) मारूईअ खे डाडाणनि वटां छा मिली आहे ?

- | | |
|------------|-----------|
| (a) लोई | (b) मखमल |
| (c) रिल्ही | (d) चादरु |

(iii) मारूई सिंधी जीवन में छा मजी वेई आहे ?

- | | |
|---------------------------|---------------------------|
| (a) तिब अलवतनीअ जी मुजसमि | (b) सिक अलवतनीअ जी मुजसमि |
| (c) छिक अलवतनीअ जी मुजसमि | (d) हुब अलवतनीअ जी मुजसमि |



(iv) 'आहर' जी माना छा आहे ?

- | | |
|------------|-------------|
| (a) अल्लाह | (b) प्रिय |
| (c) आसरे | (d) साहेड़ी |

(v) 'लूं' जी माना छा आहे ?

- | | |
|----------|---------|
| (a) जीतु | (b) मखि |
| (c) तंदु | (d) वगो |

(vi) अमरकोट कंहिंजो नालो आहे ?

- | | |
|------------|------------|
| (a) स्थान | (b) बादशाह |
| (c) माण्हू | (d) राजा |

4. परसराम ज़िया 'डहकाउ' कविता में कहिड़ो मर्कजी वीचार पेश कयो आहे ?

1

- | | |
|-------------------------------|---------------------------|
| (a) मुल्क गरीब थी वेन्दो | (b) मुल्क गुलाम थी वेन्दो |
| (c) मुल्क पाणी पाणी थी वेन्दो | (d) मुल्क फलंदो फुलंदो |

5. 'कुदरत ऐं क़ादिरु' मज़मून में लेखक छा अनुभव करे थो ?

1

- | | |
|--------------------|--------------------|
| (a) ईश्वर जी शक्ति | (b) ईश्वर जी भक्ति |
| (c) ईश्वर जी माया | (d) ईश्वर जी काया |

6. मारुईअ जी खूबी हेठियनि मां कहिड़ी आहे ?

1

- | | |
|--------------|--------------|
| (a) कूड़ कपट | (b) पवित्रता |
| (c) चालाकी | (d) बेअदबी |



7. 'सिंधी साहित्य जा चार थंभा' जो लेखकु आहे ? 1
- (a) प्रो. नारायण मलकाणी (b) प्रो. मंगाराम मलकाणी
- (c) प्रो. रतन मलकाणी (d) प्रो. केवल मलकाणी
8. 'तजनीस हफी' कंहिंखे चइबो आहे ? 1
- (a) यमक (b) अनुप्रास
- (c) उपमा (d) श्लेष
9. 'लहरुनि लख लिबास पाणीअ पसण हेकिड़ो ।' अलंकार बुधायो । 1
- (a) यमक (b) अनुप्रास
- (c) उपमा (d) श्लेष
10. 'उठ जो लाणो, घोड़े खे दाणो, मर्द खे नाणो ।' अलंकार बुधायो । 1
- (a) यमक (b) अनुप्रास
- (c) उपमा (d) श्लेष
11. साहित्य जी विधा 'कविता' छा आहे ? 1
- (a) पद्य (b) सुगंध
- (c) छंद (d) गद्य
12. 'उपन्यास' कला जो अदबी जुज़ो छा आहे । 1
- (a) पात्र (b) सज्जा
- (c) नृत्य (d) मंच



13. 'गद्य' जो किस्म आहे ? 1
- (a) गजल (b) गीत
(c) मकालो (d) वाई
14. कहाणी कला जो अदबी ततु न आहे । 1
- (a) भाषा शैली (b) किरदार
(c) दृष्य (d) कथानक
15. गैर मात्रिक पद्य छा आहे ? 1
- (a) रोला (b) सोरठा
(c) नई कविता (d) चौपाई
16. कुंडिली छंद में केतिरा चरण थींदा आहिनि ? 1
- (a) 12 (b) 24
(c) 18 (d) 6
17. सोरठा छंद में पहिरिं ऐं टिं चरण में केतिरियूं मात्राऊं थीन्दियूं आहिनि ? 1
- (a) 12 (b) 14
(c) 13 (d) 11



SECTION – B

हेठियां हवाला समुझायो – (सुवाल 18-19)

3 × 2 = 6

18. “आशा, छा असांजो इन तमाशे ते हलणु जरूरी आहे ?”

या

धनवान वटि पैसो थिए थो जंहिं करे उहे जिंदगीअ में गिसिकी हली वजनि था ।

19. इझो मौसम बहारीअ खां, तबसुम आहि मुखिड़ियुनि जो,
गले में हार गुल पातो, डिसो शबनम जे मोतियुनि जो ।

या

रोटियुनि जे लारियुनि पुठियां डोड़े पियो इंसानु,
पडियो पड़े थी सभ्यता, मुर्के ज्ञान विज्ञान ।

किनि बि पंजनि सुवालनि (20 खां 28 ताई) जा जवाब लिखो ।

3 × 5 = 15

20. ‘अमां तूं न वजु’ कहाणीअ जो सारु लिखो ।

21. ‘अमां तूं न वजु’ कहाणीअ जूं खूबियूं लिखो ।

22. ‘पंहिंजा पंहिंजा डप’ नाटक जे पात्रनि जे विच में कहिड़नि विषयनि ते गुफ्तगू कई वेई आहे ?

23. ‘पंहिंजा पंहिंजा डप’ नाटक में समाज जो कहिड़ो रूपु तव्हां खे नजरु अचे थो ? पंहिंजनि लफ्जनि में लिखो ।

24. ‘बहार’ नज़्म में कुदरत जो बयानु पंहिंजनि लफ्जनि में लिखो ।

25. ‘बहार’ नज़्म में पखियुनि जे बारे में कवि छा चयो आहे ?

26. ‘खयाबान तूं आहीं’ ग़ज़ल में समायल भावना ते नोटु लिखो ।



27. 'खयाबान तूं आहीं' ग़ज़ल में 'लोकतंत्र' जे बारे में कवि छा चयो आहे ?

28. 'आहे न आहे' उपन्यास जे पात्रनि जूं खूबियूं विस्तार सां लिखो ।

किनि बि टिनि सुवालनि (29 खां 33 ताई) जा जवाब लिखो ।

3 × 3 = 9

29. 'पंहिंजा पंहिंजा डप' नाटक जो मर्कज़ी खयाल लिखो ।

30. 'अमां तूं न वजु' कहाणीअ जो मर्कज़ी खयाल लिखो ।

31. 'बहार' नज़्म जो मर्कज़ी खयाल लिखो ।

32. 'खयाबान तूं आहीं' नज़्म जो मर्कज़ी खयाल लिखो ।

33. 'आहे न आहे' उपन्यास जो मर्कज़ी खयाल लिखो ।

34. पुस्तक मेले जी रिपोर्ट 150 लफ़्ज़नि में तैयार करियो ।

4

या

सिंधी भाषा दिवस जी रिपोर्ट 150 लफ़्ज़नि में तैयार करियो ।

35. कंहिं बि हिक ते मज़मून लिखो -

6

(a) दादा वासवाणीअ जो तालीम में योगदान ।

(b) मुंहिंजो प्रिय टीचर ।

(c) सिंधीअ जा चार थंभा ।

(d) मोबाइल जी अहमयित

